महामहिम ने किया विद्यार्थियों को बौद्धिक सशक्त बनाने का आव्हान

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का 40वाँ स्थापना दिवस समारोह

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। राज्यपाल हरि भाऊ बागडे ने कहा कि उच्च शैक्षणिक संस्थानों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के साथ उन्हें बौद्धिक रूप से भी सशक्त बनाएं। राष्ट्र के प्रति कृतज्ञ युवाओं के योगदान से देश को और अधिक सक्षम और सशक्त बनाया जा सकेगा। वे शनिवार को बीकानेर के स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 40वें स्थापना दिवस समारोह और डॉ. के. एन. स्मृति व्याख्यानमाला को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि गत 40 वर्षों ने विश्वविद्यालय ने अपार उपलब्धियां हासिल की हैं। अब तक 28 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने कृषि शिक्षण किया और उपाधियाँ प्राप्त की हैं। राज्यपाल ने कहा कि यहां अध्ययन कर देश और दुनिया में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने वाले विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का रिकॉर्ड भी संधारित किया जाए। राज्यपाल ने आह्वान किया कि डिग्री प्राप्त करने के बाद विद्यार्थी यूपीएससी और आरपीएससी की स्तरीय परीक्षाएं दें, जिससे वे भी नीति निर्धारकों में शामिल हो सकें। महामहिम ने कहा कि विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से सशक्त करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने विख्यात शिक्षाविद् सुधामूर्ति और जैव रसायनज्ञ कमला भागवत सहोनी के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि बेटियों को भी आगे बढ़ने के अवसर दिए जाएं। उन्होंने स्वामी केशवानंद द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान का स्मरण किया और कहा कि पंडित मदन मोहन मालवीय जैसे महान लोगों ने अत्यंत देशभर में घूम-घूमकर लोगों का सहयोग लिया तथा स्तरीय संस्थान स्थापित किए। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय का दायित्व है कि वे बच्चों को व्यवहारिक शिक्षा भी दें। 'कॉपी मुक्त परीक्षा' की अवधारणा देते हुए उन्होंने कहा कि हमें इस ओर तेजी से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता विकास से जुड़े तथ्यों की जानकारी दी।

केन्द्रीय कानून मंत्री को प्रदान की 'डाक्टर ऑफ साइंस' की उपाधि

कार्यक्रम में महामहिम ने केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को विश्वविद्यालय की सर्वोच्च शैक्षणिक उपाधि 'डॉक्टर ऑफ साइंस' प्रदान की। वहीं, केन्द्रीय कानून मंत्री ने अपने संबोधन में खुशखबरी देते हुए कहा कि भारत सरकार के इंडिया एआई मिशन ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय को इंडस्ट्री 4.0 के तहत कृषि पर आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस पर 20 करोड़ रुपए व्यय होंगे। यह क्षेत्र के किसानों और कृषि शोधार्थियों के लिए लाभदायक साबित होगा। उन्होने कहा कि यूएनओ द्वारा इस वर्ष को अंतरराष्ट्रीय चारागाह वर्ष घोषित किया गया है। उन्होंने आह्वान किया कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के रिसर्च इंस्टीट्यूट के साथ काम कर चारागाह विकास के कार्य करें। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी श्रीअन्न उत्पादन का नेतृत्व करने का श्रेय बीकानेर को मिल चुका है। मेघवाल ने कहा कि हमारे देश की 45 प्रतिशत वर्क फोर्स कृषि पर आधारित है। ऐसे में कृषि उत्पादन में नवीनता लाने की आवश्यकता है। इससे उत्पादन और रोजगार में वृद्धि के साथ देश की जीडीपी में कृषि का योगदान बढ़ेगा।

राठौड़ ने दिया मरू पंचवटी पर शोध का सुझाव

प्रो. डॉ. के. एन. नाग स्मृति व्याख्यानमाला को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष हनुमान सिंह राठौड़ ने मरु पंचवटी पर शोध करने का सुझाव देते कहा कि क्षेत्र में खेजड़ी पर कार्य हो रहा है लेकिन केर, कुमटिया, रसोड़ा और काचरी पर के वैज्ञानिक और चिकित्सकीय गुणों को समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मरुस्थलीय क्षेत्र में अनेक औषधीय वनस्पतियां पैदा होती हैं। कृषि विश्वविद्यालयों को इस दिशा में शोध की पहल करनी चाहिए, क्योंकि आज दुनियाभर में इन औषधियों की मांग है। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे ने स्वागत उद्बोधन दिया और विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी।

ये भी रहे मौजूद

कार्यक्रम में बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास, राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. सुमन्त व्यास, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अखिल रंजन गर्ग, संभागीय आयुक्त विश्राम मीना, महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश, जिला कलेक्टर निशान्त जैन, पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा, श्रीमती सुमन छाजेड़, श्याम पंचारिया, डॉ. सत्य प्रकाश आचार्य सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी, विश्वविद्यालय स्टाफ सदस्य, विद्यार्थी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र का किया उद्घाटन

इससे पहले राज्यपाल ने डीजीसीए, नई दिल्ली द्वारा अधिकृत और एसकेआरएयू रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन द्वारा संचालित होने वाले ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में मोलश्री का पौधा लगाया और विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा विश्वविद्यालय की गतिविधियों और उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया। कुलसचिव देवाराम सैनी ने आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री को प्रदान की डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि

बीकानेर लाईव

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल को विश्वविद्यालय की सर्वोच्च शैक्षणिक उपाधि 'डॉक्टर ऑफ साइंस' प्रदान की। उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से प्रकाशित पुस्तक 'परिवर्तन, प्रगति और प्रतिबद्धता' तथा 'एन इंट्रोडक्शन टू एग्रीकल्चरल प्रोडक्शन, फंक्शंस एंड लीनियर प्रोग्राम' का विमोचन किया।

दैनिक भास्कर

बीकानेर 02-08-2026

राज्यपाल बोले- विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से सशक्त बनाएं, ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र का किया गया उद्घाटन

एसकेआरएयू का 40वां स्थापना दिवस : ₹20 करोड़ के खर्च से बनेगा एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

सिटीरिपोर्टर | बीकानेर

केंद्रीय मंत्री को प्रदान की डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को विश्वविद्यालय की सर्वोच्च शैक्षणिक उपाधि डॉक्टर ऑफ साइंस प्रदान की। उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से प्रकाशित पुस्तक परिवर्तन, प्रगति और प्रतिबद्धता तथा एन इंट्रोडक्शन टू एग्रीकल्चरल प्रोडक्शन, फंक्शंस एंड लीनियर प्रोग्राम का विमोचन किया।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) के 40वें स्थापना दिवस समारोह एवं डॉ. के.एन. नाग स्मृति व्याख्यानमाला में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से सशक्त बनाना भी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति कृतज्ञ युवा ही देश को अधिक सक्षम और सशक्त बना सकते हैं।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का रिकॉर्ड संधारित करने तथा छात्रों को यूपीएससी और आरपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रेरित करने की बात कही। उन्होंने व्यवहारिक शिक्षा, कॉपी मुक्त परीक्षा और नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने घोषणा की कि भारत सरकार के इंडिया एआई मिशन के तहत एसकेआरएयू में कृषि आधारित इंडस्ट्री 4.0 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा, जिस पर 20 करोड़ रुपये खर्च होंगे। उन्होंने कहा कि यह केंद्र किसानों और कृषि शोधार्थियों के लिए लाभकारी साबित होगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय चारागाह वर्ष के संदर्भ में मरुस्थलीय चारागाह विकास और कृषि नवाचार पर भी बल दिया। प्रो. डॉ. के. एन. नाग स्मृति व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष हनुमान सिंह राठौड़ ने मरु पंचवटी पर शोध करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में खेजड़ी पर कार्य हो रहा है लेकिन केर, कुमटिया, रसोड़ा और काचरी पर के वैज्ञानिक और चिकित्सकीय गुणों को समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मरुस्थलीय क्षेत्र में अनेक औषधीय वनस्पतियां पैदा होती हैं। कृषि विश्वविद्यालयों को इस दिशा में शोध की पहल करनी चाहिए, क्योंकि आज दुनियाभर में इन औषधियों की मांग है। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। समारोह में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों की बड़ी संख्या मौजूद रही।

राज्यपाल ने किया ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन, देखी प्रदर्शनी

समारोह से पूर्व राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने डीजीसीए, नई दिल्ली से अधिकृत तथा एसकेआरएयू रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन द्वारा संचालित ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में मोलश्री का पौधा रोपित किया तथा विभिन्न विभागों की गतिविधियों और उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से सशक्त बनाएं विश्वविद्यालय : राज्यपाल श्री हरि भाऊ बागडे

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का 40वाँ स्थापना दिवस समारोह और डॉ. के. एन. नाग स्मृति व्याख्यानमाला आयोजित

बीकानेर लाईव

बीकानेर, 1 अगस्त। राज्यपाल श्री हरि भाऊ बागडे ने कहा कि उच्च शैक्षणिक संस्थानों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के साथ उन्हें बौद्धिक रूप से भी सशक्त बनाएं। राष्ट्र के प्रति कृतज्ञ युवाओं के योगदान से देश को और अधिक सक्षम और सशक्त बनाया जा सकेगा। राज्यपाल श्री बागडे शनिवार को बीकानेर के स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 40वें स्थापना दिवस समारोह और डॉ. के. एन. स्मृति व्याख्यानमाला को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि गत 40 वर्षों ने विश्वविद्यालय ने अपार उपलब्धियां हासिल की हैं। अब तक 28 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने कृषि शिक्षण किया और उपाधियाँ प्राप्त की हैं। राज्यपाल ने कहा कि यहां अध्ययन कर देश और दुनिया में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने वाले विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का रिकॉर्ड भी संधारित किया जाए। राज्यपाल ने आह्वान किया कि डिग्री प्राप्त करने के बाद विद्यार्थी यूपीएससी और आरपीएससी की स्तरीय परीक्षाएं दें, जिससे वे भी नीति निर्धारकों में शामिल हो सकें।

विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से सशक्त बनाएं विश्वविद्यालय : राज्यपाल हरि भाऊ बागडे

>> स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का 40वाँ स्थापना दिवस समारोह और डॉ. के. एन. नाग स्मृति व्याख्यानमाला आयोजित

बुलंद राजस्थान

बीकानेर। राज्यपाल हरि भाऊ बागडे ने कहा कि उच्च शैक्षणिक संस्थानों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के साथ उन्हें बौद्धिक रूप से भी सशक्त बनाएं। राष्ट्र के प्रति कृतज्ञ युवाओं के योगदान से देश को और अधिक सक्षम और सशक्त बनाया जा सकेगा। राज्यपाल बागडे शनिवार को बीकानेर के स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 40वें स्थापना दिवस समारोह और डॉ. के. एन. स्मृति व्याख्यानमाला को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि गत 40 वर्षों ने विश्वविद्यालय ने अपार उपलब्धियां हासिल की हैं। अब तक 28 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने कृषि शिक्षण किया और उपाधियाँ प्राप्त की हैं। राज्यपाल ने कहा कि यहां अध्ययन कर देश और दुनिया में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने वाले विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का रिकॉर्ड भी संधारित किया जाए। राज्यपाल ने आह्वान किया कि डिग्री प्राप्त करने के बाद विद्यार्थी यूपीएससी और आरपीएससी की स्तरीय परीक्षाएं दें, जिससे वे भी नीति निर्धारकों में शामिल हो सकें। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि भारत सरकार के इंडिया एआई मिशन ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय को इंडस्ट्री 4.0 के तहत कृषि पर आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस पर 20 करोड़ रुपए व्यय होंगे। यह क्षेत्र के किसानों और कृषि शोधार्थियों के लिए लाभदायक साबित होगा। मेघवाल ने कहा कि यूएनओ द्वारा इस वर्ष को अंतरराष्ट्रीय चारागाह वर्ष घोषित किया गया है। उन्होंने आह्वान किया कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के रिसर्च इंस्टीट्यूट के साथ काम कर चारागाह विकास के कार्य करें। प्रो. डॉ. के. एन. नाग स्मृति व्याख्यानमाला को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष हनुमान सिंह राठौड़ ने मरु पंचवटी पर शोध करने का आह्वान किया। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे ने स्वागत उद्बोधन दिया और विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास, राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. सुमन्त व्यास, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अखिल रंजन गर्ग, संभागीय आयुक्त विश्राम मीना, महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश, जिला कलेक्टर निशान्त जैन, पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छवा, श्रीमती सुमन छाजेड़, श्याम पंचारिया, डॉ. सत्य प्रकाश आचार्य सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी, विश्वविद्यालय स्टाफ सदस्य, विद्यार्थी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री को प्रदान की डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को विश्वविद्यालय की सर्वोच्च शैक्षणिक उपाधि 'डॉक्टर ऑफ साइंस' प्रदान की। उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से प्रकाशित पुस्तक 'परिवर्तन, प्रगति और प्रतिबद्धता' तथा 'एन इंट्रोडक्शन टू एग्रीकल्चरल प्रोडक्शन, फंक्शंस एंड लीनियर प्रोग्राम' का विमोचन किया।

ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र का किया उद्घाटन : इससे पहले राज्यपाल बागडे ने डीजीसीए, नई दिल्ली द्वारा अधिकृत और एसकेआरएयू रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन द्वारा संचालित होने वाले ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में पौधा लगाया और विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा विश्वविद्यालय की गतिविधियों और उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया। कुलसचिव देवाराम सैनी ने आभार व्यक्त किया।

एसकेआरएयू के 40वें स्थापना दिवस पर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे का आह्वान

'कृषि डिग्री के बाद नीति निर्माण में आएं युवा'

यूपीएससी-आरपीएससी जैसी परीक्षाओं में भागीदारी बढ़ाएं विद्यार्थी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. कृषि शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी केवल नौकरी तक सीमित न रहें, बल्कि देश की नीति निर्माण प्रक्रिया का हिस्सा बनें। इसके लिए उन्हें यूपीएससी और आरपीएससी जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में भी भागीदारी करनी चाहिए। यह आह्वान राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) के 40वें स्थापना दिवस समारोह और डॉ. केएन स्मृति व्याख्यानमाला में किया।

राज्यपाल ने कहा कि चार दशक की यात्रा में विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। अब तक यहां से 28 हजार से अधिक विद्यार्थी कृषि शिक्षा प्राप्त कर उपाधियां हासिल कर चुके हैं। विश्वविद्यालय को अपने पूर्व विद्यार्थियों का रिकॉर्ड तैयार करना चाहिए, जिन्होंने देश और दुनिया में संस्थान का नाम रोशन किया है।

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को विश्वविद्यालय की सर्वोच्च शैक्षणिक उपाधि 'डॉक्टर ऑफ साइंस' प्रदान करते हुए राज्यपाल।

मेघवाल को मिली 'डॉक्टर ऑफ साइंस' उपाधि

समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को विश्वविद्यालय की सर्वोच्च शैक्षणिक उपाधि 'डॉक्टर ऑफ साइंस' प्रदान की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से प्रकाशित पुस्तक 'परिवर्तन, प्रगति और प्रतिबद्धता' तथा 'एन इंट्रोडक्शन टू एग्रीकल्चरल प्रोडक्शन, फंक्शंस एंड लीनियर प्रोग्राम' का विमोचन भी किया गया। कुलगुरु डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी।

कृषि एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को मंजूरी

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि भारत सरकार के इंडिया एआई मिशन के तहत विश्वविद्यालय को इंडस्ट्री-4.0 आधारित कृषि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्वीकृति मिल गई है। इस परियोजना पर करीब 20 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। यह सेंटर क्षेत्र के किसानों और कृषि शोधार्थियों के लिए नई तकनीक और अनुसंधान के अवसर उपलब्ध कराएगा। मेघवाल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने इस वर्ष को अंतरराष्ट्रीय चारागाह वर्ष घोषित किया है। एसकेआरएयू को झांसी स्थित रिसर्च इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर चारागाह विकास के क्षेत्र में कार्य करना चाहिए।

'कॉपी मुक्त परीक्षा' की दिशा में बढ़ें विश्व विद्यालय

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को व्यवहारिक और जीवन उपयोगी शिक्षा देना भी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से सशक्त बनाना सबसे बड़ी आवश्यकता है। परीक्षा व्यवस्था में सुधार करते हुए 'कॉपी मुक्त परीक्षा' की अवधारणा को आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने शिक्षाविद् सुधामूर्ति और देश की पहली महिला जैव रसायनज्ञ कमला भागवत सहोनी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि बेटियों को भी समान अवसर देकर आगे बढ़ाना चाहिए।

मरु पंचवटी और स्थानीय वनस्पतियों पर हो शोध

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष हनुमान सिंह राठौड़ ने मरु पंचवटी पर शोध की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि खेजड़ी पर काम हो रहा है, लेकिन केर, कुमटिया, रसोड़ा और काचरी जैसी मरुस्थलीय वनस्पतियों के वैज्ञानिक और चिकित्सकीय गुणों पर भी विस्तृत शोध होना चाहिए।

ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

समारोह से पहले राज्यपाल ने डीजीसीए नई दिल्ली से अधिकृत एसकेआरएयू रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन द्वारा संचालित ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास, राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विवि के कुलगुरु डॉ. सुमन्त व्यास, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अखिल रंजन गर्ग, संभागीय आयुक्त विश्राम मीना, महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश, जिला कलक्टर निशांत जैन, पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा सहित अनेक अधिकारी एवं शिक्षाविद उपस्थित रहे।

श्रीडूंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 163 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात: केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल एवं विधायक ताराचंद सारस्वत ने किए लोकार्पण व शिलान्यास

›› सड़क, स्वास्थ्य, बिजली एवं पेयजल परियोजनाओं से श्रीडूंगरगढ़ के विकास को मिलेगी नई गति

बुलंद राजस्थान

बीकानेर। श्रीडूंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र को विकास की नई सौगात देते हुए केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल तथा श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत ने करीब 163 करोड़ रुपये की लागत से शनिवार को विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में सड़क, विद्युत, स्वास्थ्य तथा पेयजल से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं, जिनसे क्षेत्र की आधारभूत संरचना को मजबूती मिलेगी और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम के दौरान श्रीडूंगरगढ़-बिदासर राज्य

राजमार्ग (एसएच-93) पर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर नए ग्रिड सब स्टेशन (जीएसएस), पावर ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि सहित विद्युत संबंधी परियोजनाओं तथा अन्य जनहित के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में सोनियासर शिवदान, डेलवा, धोलिया एवं लाधड़िया में नव स्थापित स्वास्थ्य केंद्रों का लोकार्पण किया गया। वहीं डेलवा में नए ट्यूबवेल का लोकार्पण भी हुआ, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को पेयजल उपलब्धता में राहत मिलेगी।

ग्रामीण संपर्क व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से उपनी, बेनीसर, डेलवा, गुसाईसर बड़ा एवं पुनरासर सहित विभिन्न सड़कों के निर्माण एवं नवीनीकरण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। साथ ही पुनरासर-राजपुरा-सेरूणा-सांवतसर-राजेडू दोहरी लेन सड़क निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया गया, जिसे क्षेत्र की महत्वपूर्ण आधारभूत परियोजनाओं में शामिल माना जा रहा है।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है।

सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है, जिससे ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी।

विधायक ताराचंद सारस्वत ने कहा कि श्रीडूंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से सशक्त बनाएं विश्वविद्यालय : राज्यपाल

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर का 40वां स्थापना दिवस समारोह

न्यूज सर्विस/ नवज्योति, बीकानेर। राज्यपाल हरि भाऊ बागडे ने कहा कि उच्च शैक्षणिक संस्थानों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के साथ उन्हें बौद्धिक रूप से भी सशक्त बनाएं। राज्यपाल बागडे शनिवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के 40वें स्थापना दिवस समारोह और डॉ. के. एन. स्मृति व्याख्यानमाला को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से सशक्त करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। राज्यपाल ने आह्वान किया कि डिग्री प्राप्त करने के बाद विद्यार्थी यूपीएससी और आरपीएससी की स्तरीय परीक्षाएं दें, जिससे वे भी नीति निर्धारकों में शामिल हो सकें। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय का दायित्व है कि वे बच्चों को व्यवहारिक शिक्षा भी दें। 'कॉपी मुक्त परीक्षा' की अवधारणा देते हुए उन्होंने कहा कि हमें इस ओर तेजी से आगे बढ़ना होगा। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश की 45 प्रतिशत वर्क फोर्स कृषि पर आधारित है। ऐसे में कृषि उत्पादन में नवीनता लाने की आवश्यकता है। इससे उत्पादन और रोजगार में वृद्धि के साथ देश की जीडीपी में कृषि का योगदान बढ़ेगा। प्रो. डॉ. के. एन. नाग स्मृति व्याख्यानमाला को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष हनुमान सिंह राठौड़ ने मरु पंचवटी पर शोध करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में खेजड़ी पर कार्य हो रहा है लेकिन केर, कुमटिया, रसोड़ा और काचरी पर के वैज्ञानिक और चिकित्सकीय गुणों को समझने की जरूरत है।स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलगुरु डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। कुलसचिव देवाराम सैनी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास, राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलगुरु डॉ. सुमन्त व्यास, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अखिल रंजन गर्ग, संभागीय आयुक्त विश्राम मीना, महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश, जिला कलेक्टर निशान्त जैन, पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा, शहर भाजपा अध्यक्ष सुमन छाजेड़, देहात भाजपा अध्यक्ष श्याम पंचारिया, डॉ. सत्य प्रकाश आचार्य आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री को प्रदान की डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि : कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को विश्वविद्यालय की सर्वोच्च शैक्षणिक उपाधि 'डॉक्टर ऑफ साइंस' प्रदान की। उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से प्रकाशित पुस्तक 'परिवर्तन, प्रगति और प्रतिबद्धता' तथा 'एन इंट्रोडक्शन टू एग्रीकल्चरल प्रोडक्शन, फंक्शंस एंड लीनियर प्रोग्राम' का विमोचन किया।

ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र का किया उद्घाटन: राज्यपाल बागडे ने डीजीसीए नई दिल्ली द्वारा अधिकृत और एसकेआरएयू रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन द्वारा संचालित होने वाले ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में मौलश्री का पौधा लगाया। विश्वविद्यालय की गतिविधियों और उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया।

विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के साथ बौद्धिक रूप से भी सशक्त बनाएं : राज्यपाल

बीकानेर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि उच्च शैक्षणिक संस्थानों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के साथ उन्हें बौद्धिक रूप से भी सशक्त बनाएं। राष्ट्र के प्रति कृतज्ञ युवाओं के योगदान से देश को और अधिक सक्षम और सशक्त बनाया जा सकेगा।

राज्यपाल बागडे शनिवार को बीकानेर के स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 40 वें स्थापना दिवस समारोह और डॉ. के. एन. स्मृति व्याख्यानमाला को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल बागडे ने डीजीसीए, नई दिल्ली द्वारा अधिकृत और एसकेआरएयू रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन द्वारा संचालित होने वाले ड्रोन प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने कहा कि गत 40 वर्षों ने विश्वविद्यालय ने अपार उपलब्धियां हासिल की हैं। अब तक 28 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने कृषि शिक्षण किया और उपाधियां प्राप्त की है। राज्यपाल ने कहा कि यहां अध्ययन कर देश और दुनियां में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने वाले विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का रिकॉर्ड भी संधारित किया जाए।

बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने संबोधित किया।

राज्यपाल ने आव्हान किया कि डिग्री प्राप्त करने के बाद विद्यार्थी यूपीएससी और आरपीएससी की स्तरीय परीक्षाएं दें, जिससे वे भी नीति निर्धारकों में शामिल हो सकें।

बागडे ने कहा कि विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से सशक्त करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने विख्यात शिक्षाविद् सुधामूर्ति और जैव रसायनज्ञ कमला भागवत सहोनी के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि बेटियों को भी आगे बढ़ने के अवसर दिए जाएं। उन्होंने स्वामी केशवानंद द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान का स्मरण किया और कहा कि पंडित मदनमोहन मालवीय जैसे महान लोगों ने अत्यंत देशभर में घूम-घूमकर लोगों का सहयोग लिया तथा स्तरीय संस्थान स्थापित किए। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय

- **कृषि विश्वविद्यालय का 40 वां स्थापना दिवस समारोह एवं डॉ. के. एन. नाग स्मृति व्याख्यानमाला आयोजित**

का दायित्व है कि वे बच्चों को व्यवहारिक शिक्षा भी दें।

उन्होंने नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता विकास से जुड़े तथ्यों की जानकारी दी। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि भारत सरकार के इंडिया एआई मिशन ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय को इंडस्ट्री 4.0 के तहत कृषि पर आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस पर 20 करोड़ रूपए व्यय होंगे। यह क्षेत्र के किसानों और कृषि शोधार्थियों के लिए लाभदायक साबित होगा।

मेघवाल ने कहा कि यूएनओ द्वारा इस वर्ष को अंतरराष्ट्रीय चारागाह वर्ष घोषित किया गया है। उन्होंने आव्हान किया कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय झांसी के रिसर्च इंस्टीट्यूट के साथ काम कर चारागाह विकास के कार्य करें।

प्रो. डॉ. के. एन. नाग स्मृति व्याख्यान माला को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष हनुमान सिंह राठौड़ ने मरू पंचवटी पर शोध करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में खेजड़ी पर कार्य हो रहा है लेकिन केर, कुमटिया, रसोड़ा और काचरी पर के वैज्ञानिक और चिकित्सकीय गुणों को समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मरूस्थलीय क्षेत्र में अनेक औषधीय वनस्पतियां पैदा होती हैं।

कृषि विश्वविद्यालयों को इस दिशा में शोध की पहल करनी चाहिए। क्योंकि आज दुनियां भर में इन औषधियों की मांग है। मेघवाल ने कहा कि हमारे देश की 45 प्रतिशत वर्क फोर्स कृषि पर आधारित है। ऐसे में कृषि उत्पादन में नवीनता लाने की आवश्यकता है। इससे उत्पादन और रोजगार में वृद्धि के साथ देश की जीडीपी में कृषि का योगदान बढ़ेगा।

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को विश्वविद्यालय की सर्वोच्च शैक्षणिक उपाधि डॉक्टर ऑफ साइंस